AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

लविवि व भाषा विवि में चला पौधरोपण अभियान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर वृहद पौधरोपण अभियान चलाया गया। सुभाष छात्रावास में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में तेजपत्ता एवं सिंदूर के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडे, एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट प्रो. मोनिषा बनर्जी, एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट डॉ. अनूप सिंह, प्रो. अमिता कनौजिया, डॉ. केया पांडे उपस्थित थे। वहीं, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में वन महोत्सव के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर एवं आस पास के क्षेत्रों में कुल 251 पीपल के पौधे लगाए गए। उधर, केंद्रीय विद्यालय गोमतीनगर ने कचनार, अमलतास, गुलमोहर, नीम, मनोकामिनी आदि पौधे तैयार कर विद्यालय परिसर में लगाए। प्राचार्य डॉ. सीबीपी वर्मा ने बताया कि नर्सरी में तैयार पौधे दूसरे विद्यालयों व संस्थानों को भी मुहैया कराए गए हैं। अभियान के दौरान उप प्राचार्य प्रीति तिवारी, प्रधानाध्यापक अरुणेश वैश्य, डॉ. रमेश चंद्र, टीएन चतुर्वेदी समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

संस्थान अभी कला संकाय के संस्कृत विभाग के अन्तर्गत आता है, एकेडमिक काउंसिल लगाएगी मोहर

अभिनव गुप्त संस्थान को स्वतंत्र मान्यता मिलेगी

लखनऊ विवि

लखनऊ। कार्यालय संवाददाता

देश के चुनिंदा संस्थानों में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय के अभिनव गुप्त संस्थान को अब अलग पहचान दिलाए जाने की तैयारी कर ली गई है। अभी तक अभिनव गुप्ता संस्थान कला संकाय के संस्कृत विभाग के अन्तर्गत आता है लेकिन अब इसे स्वतंत्र संस्थान के रूप में मान्यता दी जा रही है।

जिसका प्रस्ताव तैयार है और एलयू की आगामी 17 मई को होने वाली एकेडमिक काउंसिल में औपचारिक मोहर भी लगा दी जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय में अभिनव गुप्त संस्थान की स्थापना 5 अगस्त 1968 में तत्कालीन संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. कांति चंद्र पांडे ने की थी। यह संस्थान शैव दर्शन के चुनिन्दा शोध संस्थानों में हैं।

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि अभिनव गुप्त संस्थान विश्वविद्यालय की पहचान है। जिसमें शोध का अच्छा कार्य हो रहा है। इसको स्वतंत्र संस्थान के रूप में मान्यता दी जा रही है। जिसके बाद यहां शोध, प्रकाशन के साथ ही अन्य गतिविधियों में तेजी आएगी।

इसी सत्र से थिएटर और तंत्रागम की शिक्षा दी जाएगी

स्वतंत्र संस्थान बनने के बाद ही यहां डिप्लोमा इन थिएटर और डिप्लोमा इन तंत्रागम की शिक्षा शुरू हो जाएगी। संस्थान की कोआर्डिनेटर डा. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने कहा कि डिप्लोमा इन थिएटर और डिप्लोमा इन तंत्रागम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बीते कई वर्षों से संस्थान शिथिल अवस्था में है। अब इसे दोबारा पहले की तरह स्थापित करने का काम किया जा रहा है। मुख्य उद्देश्य शोध और प्रकाशन ही रहेगा। इसके साथ कश्मीरी शैवागम पर अन्तराष्ट्रीय जर्नल निकालने की तैयारी है।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में अब शुरू होगी एमफॉर्मा की भी पढ़ाई

17 जुलाई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में रखा जाएगा प्रस्ताव

LUCKNOW (7 July) : लखनऊ यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के अंतर्गत एमफार्मा के भी दाखिले लेकर पढ़ाई शुरू होगी. अभी तक फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने शैक्षिक सत्र 2021-22 से डीफार्मा और बीफार्मा कोर्स को चलाने की अनुमति दी है. एमफार्मा कोर्स की अनुमति के लिए आगामी 17 जुलाई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा. उसके बाद काउंसिल से अनुमति ली जाएगी. हालांकि, यह कोर्स शैक्षिक सत्र 2023-24 से शुरू होगा. एलयू में नए सत्र से डीफार्मा, बीफार्मा कोर्स शुरू करने के लिए इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की स्थापना की गई है. इसी के तहत एमफार्मा कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव है, जिसे विद्या परिषद में रखा जाएगा.

इन पर भी होगा निर्णय

ओएनजीसी सेंटर फार एडवांस स्टडीज में स्थित इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मॉलिकुलर जेनेटिक एंड इंफेक्टियस डिजीज पाठ्यक्रम में एमएससी इन मॉलिकुलर जेनेटिक्स एंड डिप्लोमा इन मेडिशनल एरोमिटिक प्लांट शुरू होगा. इसका पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है. विद्या परिषद से अनुमति ली जाएगी. इसके अलावा कई अन्य प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी.

ऑनलाइन वायवा की मंजूरी

पीएचडी थीसिस जमा करने के बाद छात्र-छात्राओं का वायवा होता है. कोविड की वजह से इसे आनलाइन कर दिया गया था, लेकिन प्रत्येक विभाग को आनलाइन वायवा की अनुमति के लिए कुलपति के पास जाना पड़ता था. अब इसमें बदलाव कर संकायाध्यक्ष (डीन) स्तर पर ही निर्णय लिया जाएगा. इस प्रस्ताव की भी विद्या परिषद से मंजूरी ली जाएगी.एलयू में बहुत से ऐसे पीएचडी छात्र-छात्राएं हैं, जिन्हें जून-2021 में शोध प्रबंध (थीसिस) जमा करना था, लेकिन कोविड की वजह से ऐसा नहीं हो सका. अब ऐसे शोधार्थियों को थीसिस जमा करने के लिए दिसंबर 2021 तक मौका देने की तैयारी है.

पीजी डिप्लोमा के एग्जाम 2 अगस्त से

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(7 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पीजी लास्ट इयर के बाद डिप्लोमा कोर्स के एग्जाम का भी कार्यक्रम तय कर दिया है. कला संकाय के अधीन संचालित पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स सेकंड सेमेस्टर और पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलीटेशन सेकंड सेमेस्टर के एग्जाम दो अगस्त से नौ अगस्त तक होंगे. वहीं, पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स के एग्जाम सात सितंबर से 10 सितंबर तक चलेंगे. परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि यूनिवर्सिटी की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर इसका पूरा शेड्यूल अपलोड कर दिया गया है. एग्जाम सुबह 9 बजे से 10 बजे तक कराए जाएंगे.

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने जारी किया पूरा एग्जाम प्रोग्राम

JAGRAN CITY PAGE I

दो अगस्त से होंगी पीजी डिप्लोमा की परीक्षाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम सुबह नौ से 10 बजे तक होगा पेपर

जागरण संवाददाता, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक अंतिम वर्ष के बाद डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का भी कार्यक्रम तय कर दिया है। कला संकाय के अधीन संचालित परास्नातक डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स द्वितीय सेमेस्टर और परास्नातक डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलीटेशन द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएं दो अगस्त से नौ अगस्त तक होंगी। वहीं, परास्नातक डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स (एग्जम्टेड वार्षिक) की परीक्षाएं सात सितंबर से 10 सितंबर तक चलेंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि विवि की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर इसका विषयवार कार्यक्रम अपलोड कर दिया गया है। परीक्षाएं सुबह नौ से 10 बजे तक होंगी।

पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स (द्वितीय सेमेस्टर) : दो अगस्त को ह्यूमन राइट्स आफ स्पेशल कैटेगिरी एंड मैरिजनल ग्रुप्स, चार अगस्त को एनवायरमेंटल एंड ह्यूमन राइट्स, छह अगस्त को ह्यूमन राइट्स एंड सोशल मूवमेंट्स और नौ अगस्त को इंटरनेशनल ह्यूमैनिटेरियन एंड रिफ्यूजी ला विषय की परीक्षाएं होंगी।

02 अगस्त को ह्यूमन राइट्स आफ स्पेशल कैटेगिरी एंड मैरिजनल ग्रुप्स

10 सितंबर तक चलेंगी परास्नातक डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स की परीक्षाएं

पीजी डिप्लोमा इन सोशल ड्युटीज एंड ह्यूमन राइट्स (एग्जम्टेड वार्षिक)

सात अगस्त को इवेल्यूएशन, थ्योरी एंड फिलोसफी ह्यूमन राइट्स एंड ड्युटीज, आठ अगस्त को इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स सिस्टम एंड ला, नौ अगस्त को डेवलपमेंट आफ ह्यूमन राइट्स इन इंडिया और 10 अगस्त को ह्यूमन राइट्स इन सोशियो इकोनामिक्स कान्टेक्स्ट इन इंडिया विषय की परीक्षा का कार्यक्रम तय है।

पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन (द्वितीय सेमेस्टर)

दो अगस्त को इंडस्ट्री एंड वार रिलेटेड मैन-मेड डिजास्टर, चार अगस्त को डेवलपमेंट रिलेटेड मैन-मेड डिजास्टर, छह अगस्त को हेल्थ इशूज, टीम वर्क एंड लीडरशिप और नौ अगस्त को डिजास्टर ब्रिवेंशन, प्लानिंग एंड मिटिगेशन विषय की परीक्षा होगी।

वीए आनर्स (सोशल वर्क) चौथा सेमेस्टर

बीए आनर्स सोशल वर्क चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 जुलाई से तीन अगस्त तक चलेंगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक 24 जुलाई को ह्यूमन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट, 29 जुलाई को लीगल इनफार्मेशन फार सोशल वर्क और तीन अगस्त को प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट विषय की परीक्षाएं होंगी।

लविवि में होगी एम.फार्मा की पढ़ाई

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के अंतर्गत एम.फार्मा के भी दाखिले लेकर पढ़ाई शुरू होगी। अभी तक फार्मेसी काउंसिल आफ इंडिया ने शैक्षिक सत्र 2021-22 से डीफार्मा और बीफार्मा कोर्स को चलाने की अनुमति दी है। एमफार्मा कोर्स की अनुमति के लिए आगामी 17 जुलाई को होने वाली विद्या परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। उसके बाद काउंसिल से अनुमति ली जाएगी। हालांकि, यह कोर्स शैक्षिक सत्र 2023-24 से शुरू होगा।

लविवि में नए सत्र से डीफार्मा, बीफार्मा कोर्स शुरू करने के लिए इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की स्थापना की गई है। इसी के तहत एम.फार्मा कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव है, जिसे विद्या परिषद में रखा जाएगा। पीएचडी थीसिस जमा करने के बाद छात्र-छात्राओं का वायवा होता है। कोविड की वजह से इसे आनलाइन कर दिया गया था, लेकिन प्रत्येक विभाग को आनलाइन वायवा की अनुमति के लिए कुलपति के पास जाना पड़ता था। अब इसमें बदलाव कर संकायाध्यक्ष (डीन) स्तर पर ही निर्णय लिया जाएगा। लविवि में बहुत से ऐसे पीएचडी छात्र-छात्राएं हैं, जिन्हें जून-2021 में शोध प्रबंध (थीसिस) जमा करना था, लेकिन कोविड की वजह से ऐसा नहीं हो सका। अब ऐसे शोधार्थियों को थीसिस जमा करने के लिए दिसंबर 2021 तक मौका देने की तैयारी है।

इन पर भी होगा निर्णय

ओएनजीसी सेंटर फार एडवांस स्टडीज में स्थित इंस्टीट्यूट आफ एडवांस मॉलिकुलर जेनेटिक एंड इंफेक्टियस डिजीज पाठ्यक्रम में एमएससी इन मॉलिकुलर जेनेटिक्स एंड डिप्लोमा इन मेडिशनल एरोमिटिक प्लांट शुरू होगा। इसका पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। विद्या परिषद से अनुमति ली जाएगी। इसके अलावा कई अन्य प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी।

FIRST INDIA PAGE 4

Simran Shaikh: A Success Story

CITY FIRST

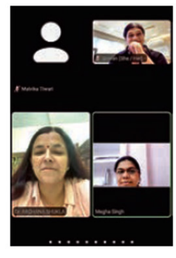

Monthly research seminar series, an initiative by the PG students of Psyche Hub, Department of Psychology, Lucknow University organised an E-talk on the topic 'Simran Shaikh- A Success Story'. The session was organised by Dr Archana Shukla, Co-ordinator of the Department of Psychology. Prof Madhurima Pradhan, Department of Psychology, Lucknow University gave the welcome address for the session. The inauguration was conducted by Dr Manini Srivastava, Assistant Professor of the Psychology Department.

Simran Shaikh was the co-founding member of the Dai Welfare Society, one of the first transgender community-based organisations in the city. She was also a part of the Hindustan Latex Family Promotion Trust, after which she found her current job with the India HIV/AIDS Alliance. She discussed the importance of accepting one's responsibility for making a society a co-existence society for all irrespective of their caste, creed, colour, gender or sexual orientation.

TOI PAGE 3

Lucknow university's Google club to give tech push to students' career goals

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Lucknow University has created a community group, Google Student Developer Club, where students of the university and its associated colleges can learn about Google technologies.

Undergraduate students interested in learning technologies and building their career as a developer may join the club.

From learning how to check a fake video or fact-check a news report to artificial intelligence-powered picture sharing and Android app development, students will be informed about technologies through various activities and quizzes organized under the club.

Students will also be informed about various Google certification courses and how one can enroll in them.

COMMUNITY GRP

"Google Student Developer Club is a community group for college and university students interested in Google developer technologies. Students from all undergraduate or graduate programmes with interest in growing as a developer may join the club and increase their knowledge in a peer-to-peer learning environment and build solutions for local businesses and their community," said a BSc student Ankit Patel, who pitched for opening the club in LU.

"Since LU is not a technical university, its name was not there in the list of institutions of Google where the club can be opened. After almost a year of applying, we have got the approval to run the club," he said.

"Google developer club has been highly beneficial for both students and community. Recently, young developers from the club in Saudi Arabia came together to help small local businesses. As more companies across the globe are relying on online sales, these students noticed that many of their favourite local stores did not have a presence on the web and they made it online. Similarly, LU students can also bring about a change after getting associated with the group," said dean, student welfare, Poonam Tandon.